राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 250
नागराज और
लाल मौत
मुफ्त

नागराज और लाल मौत

लेखक : तरुणकुमार वाही
सम्पादक : मनीष चन्द्र गुप्त
कलानिर्देशक : प्रताप मुळीक
चित्र : चंदू
सुलेख : पुष्पा पालवणकर

बाद दुबई आ पहुँचा –

यूसुफ बिन अली खान! दुबई का अमीर बन बैठा है।

सत्ता परिवर्तन के पश्चात अपने विरोधियों को समाप्त करने के बाद यूसुफ को तलाश थी रूस्वा की–

मुझे रूस्वा चाहिए! जिन्दा या मुर्दा!

नागराज को इतना सब बताकर कोल्ड ड्रिंक वाला खामोश हो गया–

धन्यवाद दोस्त! तुमने मुझे यूसुफ के बारे में बहुत जानकारी दी।

धन्यवाद कैसा नागराज, तुम भी तो हमें यूसुफ बिन से निजात दिलाने दुबई आये हो।

दुबई शहर की एक सड़क पर–

नागराज! मैं मुसीबत में हूं! मुझे तुम्हारी मदद चाहिए–अपनी मौत से पहले। तुम्हारे इंतजार में–––
––रुख्सा खातून

रुख्सा खातून? ओह तो इसे भी पता चल गया कि मैं दुबई आ चुका हूं!

जगह-जगह मेरे नाम के पोस्टर लगे हैं! मुझे रुख्सा को ढूंढकर उसकी मदद करनी होगी।

अचानक एक तेज सायरन के साथ भगदड़ मच गई —
वूऊँ ऽऽऽऽऽऽऽ
सायरन
आज फिर किसी की मौत आ गई है !
?!

दुकानों के शटर गिर गए —
टैंक दस्ता ! मौत का काफिला गुजरने वाला है भागो !

ठहरो ! यह सब क्या हो रहा है ? यह एकाएक भगदड़ क्यों मच गई है !
शहर में जगह-जगह लगे पोस्टर नहीं देख रहे हो क्या !

वूऊँ ऽऽ ऽऽ ऽ
यूसुफ बिन अली खान ने सत्ता सम्भालते ही अपने विरोधियों का सिर कुचलना आरम्भ कर दिया है !
ओह, तो यही है मौत का सायरन !

आज शायद लाशों का नम्बर है ! नौजवान, अगर तुम्हें अपनी जान प्यारी है तो भाग लो यहाँ से !

देखते ही देखते सारे बाजार में सन्नाटा छा गया—
इसका मतलब यूसुफ बिन अली ख्वाज को रूपक स्वामी का पता मिल गया है।

नागराज चौंक पड़ा—
धूल का गुब्बार! मौत का काफिला निकल आ रहा है। मुझे किसी तरह इस दस्ते में शामिल होना होगा।

तीन टैंक धड़धड़ाते हुए उसके सामने से गुजरे—
नागराज तुम्हारी रक्षा अवश्य करेगा रूपक

टैंकों के पक्की सड़क से रेत के मैदान में आते ही धूल ही धूल छा गई—

और इस धूल का लाभ उठाती नागरस्सी—

* बंकर: जमीन में कई मीटर नीचे कंक्रीट से बना बेहद सुरक्षित व मजबूत निवास।

Y BAK कमांडर का वायरलैस संदेश—
सावधान! आगे बारूदी सुरंगें हैं। पोजीशन लो।
Y BAK FORCE

उसी समय बंकर में बीस मीटर नीचे—
मैडम! बारूदी सुरंग ने Y BAK फोर्स के एक टैंक को उड़ा दिया है।
!!

उनके दोनों टैंक तथा फौजी पोजीशन ले रहे हैं।
यह हमारे लिए खतरनाक है। अगर उन्होंने गोलाबारी की तो ये बंकर बचेगा नहीं।

तभी एक चेतावनी प्रसारित होने लगी—
रूपसा! हम जानते हैं कि तुम इस बंकर में छिपी हो। मेरे तीन गिनने तक अपने आपको हमारे हवाले कर दो...।

...अन्यथा अपनी मौत की जिम्मेदार तुम खुद होगी।
इन्हें मेरे यहां होने की जानकारी कैसे हुई?

एक
मिस्टर मनसुख! तीन की गिनती से पूर्व ही इन्हें जवाब देना होगा।

दुश्मन के आगे झुकने से रूपसा मर जाना पसन्द करेगी।

मेजर! यह क्या किया आपने?
इमरजेंसी ब्लास्ट लीवर ऑन कर दिया?! बीस मिनट बाद यह बंकर धमाके के साथ उड़ जाएगा!

उधर देखो! टैंकों की नालियों का रुख बंकर की तरफ मुड़ गया है! हम चारों तरफ से घिर चुके हैं!

आह! नागराज! तुमने आने में देर कर दी! अब शायद रुपया खातून तुमसे कभी न मिल पायेगी!

सबकी आतंकित निगाहें टी.वी. स्क्रीन पर चिपकी थीं...

तीन

और उस समय सबकी आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—

रुपया के कंठ से विस्मयकारी चीख उबल पड़ी—

ना ००० नागरस्सी या००० यह तो नागरस्सी है! नागराज आ गया!

एकाएक नली के मुड़ने से गोला एक भीषण धमाके के साथ नली में ही फट गया—
धड़ाम
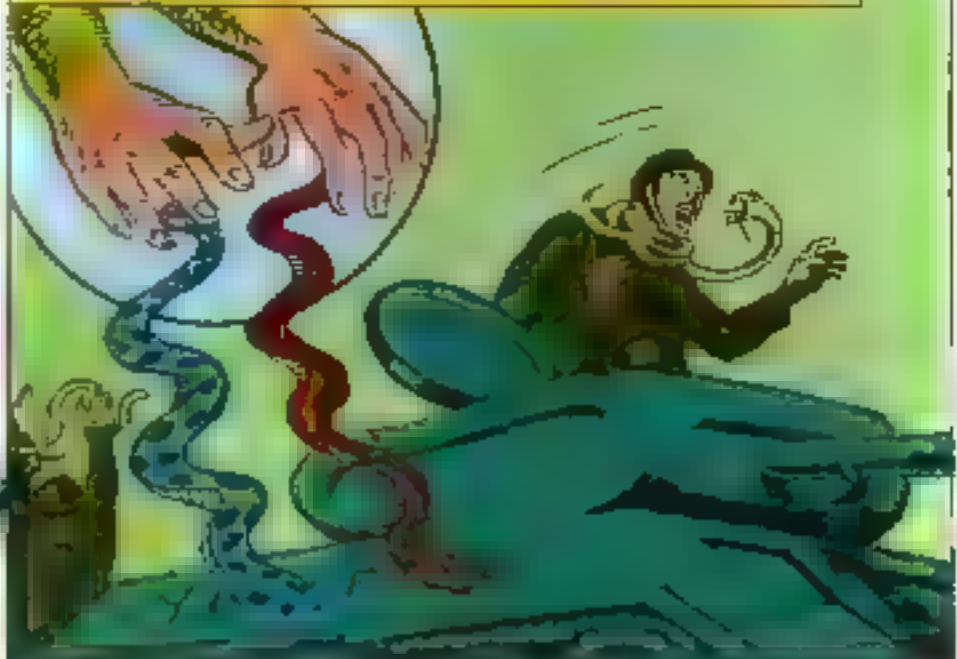
नागराज!
तभी –
नागराज! दुश्मन के और टैंक!
आगे दो इनके लिए नागराज अकेला ही काफी है।
उफ! केवल कुछ मिनट
बंकर प्रलयंकारी विस्फोट के साथ एक हजार वर्ग मीटर तक क्षेत्र को मलबे के ढेर में बदलता चला गया –

शहर सामने है नागराज!
रात का फायदा उठा कर हम आसानी से शहर में प्रवेश कर सकते हैं रुख्सा।
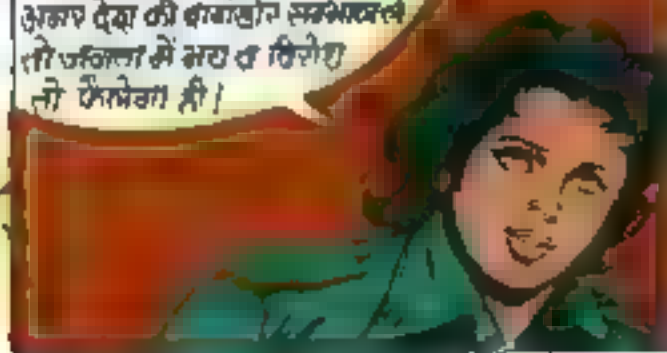
आज की रात हम किसी होटल में बिताएंगे। क्योंकि यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने के बाद दुबई की बागडोर मैं तुम्हें सौंपना चाहता हूं।

अगले दिन तेज़ शोर सुनकर दोनों की आंखें खुलीं—
यूसुफ बिन अली खान
मुर्दाबाद
रुख्सा के हत्यारे
गद्दी छोड़ो

लगता है बंकर ध्वस्त करने के बाद यह खबर फैला दी गई है कि मैं मारी गई हूं।
ओह!

इस जन आक्रोश को देखते हुए तुम्हें दुबई की गद्दी सौंपने का मेरा निर्णय कुछ गलत नहीं था।

तभी मौत का सायरन फिज़ां में गूंज उठा—
नागराज! इस विरोध को कुचलने के लिए YBAK फोर्स आ रही है।

फौजों ने भीड़ को चारों तरफ से घेर लिया—
यूसुफ बिन अली खान मुर्दाबाद
नागराज! इनमें से एक विरोधी की भी जान नहीं जानी चाहिए।

भून डालो इन गद्दारों को!

लेकिन इससे पूर्व कि एक भी गोली चल पाती —

सांप!

भीड़ ये करिश्मा देखकर ठगी सी खड़ी थी —
इतने सारे सांप कहां से आ गए?

ये सांप तो नागराज के ही हो सकते हैं।

तभी —
नागराज
नागराज
नागराज

यूसुफ बिन उस्मी खान के बारे में गद्दी रुख्सा खातून को सौंपना चाहता हूं। क्या ये आपको मंजूर है?
रुख्सा! लेकिन उसे तो उस हत्यारे ने...
रुख्सा जीवित है। वह देखो।
शोर मच गया —
रुख्सा!
रुख्सा
रुख्सा
नागराज! तुम बच नहीं सकते। Y.B.A. तुम्हें कुत्ते की मौत...
इसे हमारे हवाले कर दो नागराज! पहले हम इसे कुत्ते की मौत मारेंगे।
हां, हां इसे हमारे हवाले कर दो।
मुंह से नीला झाग! ओह, इसने खोखले दांत में छिपा सायनाइड कैप्सूल चबा लिया है।

यह तो मर गया।

रुएबा नागराज के निकट पहुंच गई—
नागराज! इसने यातना व पीड़ा से बचने के लिए खुदकुशी कर ली है।
खुदकुशी तो हर उस इन्सान को करनी है जो यूसुफ का साथ दे रहा है।

फिर—
दोस्तो! मैं उस शैतान यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने जा रहा हूं...
...और आपको यकीन दिलाता हूं कि अवाम का वह दुश्मन कल का सूर्योदय नहीं देख सकेगा।

नागराज! यूसुफ बिन अली खान तक पहुंचने के लिए हमें 'लाल मौत' को पार करना होगा!...
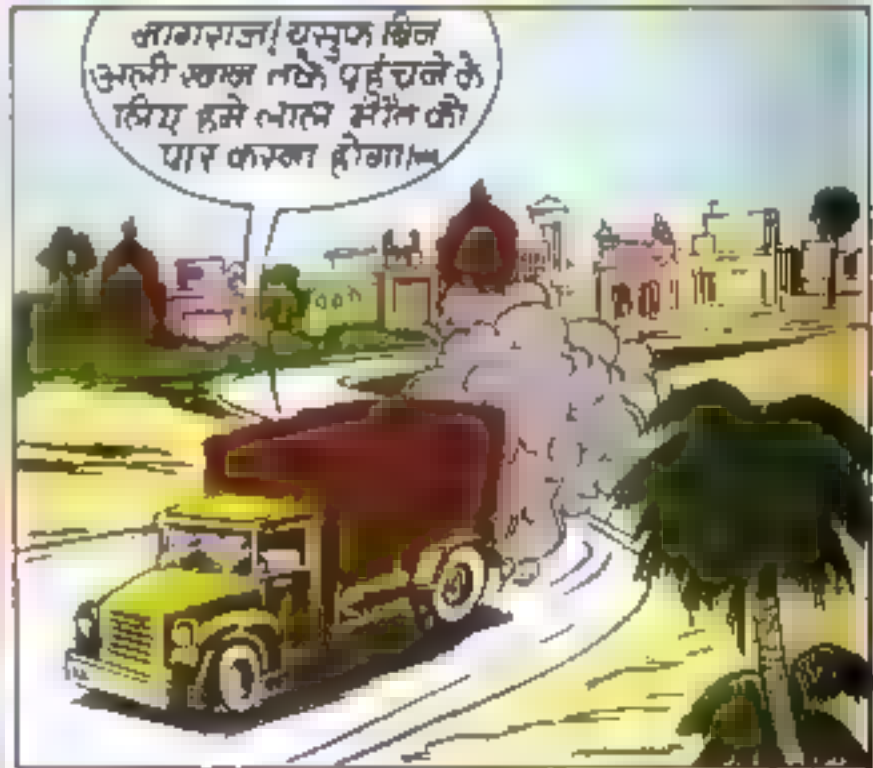
...उसके किले के बाहर कदम-कदम पर वह मौत बिछी हुई है!...
...मैं तुम्हें वहां तक पहुंचा सकती हूं! बाकी का काम तुम्हारा होगा!

आधे घण्टे बाद रुएबा ने ट्रक रुकवाया—
नागराज! तेल की ये सारी मिल्कियत मुल्क की अमानत है जिसे अब यूसुफ बिन अली खान ने अपनी निजी सम्पत्ति घोषित कर दिया है!

और यहाँ से आरम्भ होती है लाल मौत।
और उस किले में है फोर्स का नेता यूसुफ बिन अली खान।

नागराज ने अपने रक्षक रेगिस्तान में छोड़ दिये —
यहां हमें केवल फूंक-फूंककर आगे बढ़ना होगा नागराज।
मेरे अंगरक्षक बारूदी सुरंगों का पता लगा लेंगे।

हमें इनके पीछे रहना होगा।

सांपों का पीछा करते दोनों आगे बढ़ते गए —
बारूदी सुरंगों जैसी तो यहां कोई चीज नहीं दिखती।

अचानक —

इससे पहले कि बम उछलकर गिरकर उनके जिस्मों के चिथड़े उड़ा देता—

उछलते ही नागरस्सी हवा में लपकी—

और अगले ही पल नागरस्सी हेलीकॉप्टर से लिपट गई

मैं नागराज को बारूद से उड़ा दूंगा।

उफ! जीते जी ऐसे ही लाल मौत मुझ पर भी आक्रमण करेगी।

हैलीकॉप्टर एक झटके के साथ रेत में आ धंसा—

मौत ने एक झटके के साथ बाहर निकलकर हैलीकॉप्टर को दबोचा—

पर नागराज तो इस आदमखोर जोंक से उलझा था —

ओह! ये मुझे रेत के नीचे इस सुरंग में खींच लायी है।

और अब मेरा खून पीने की चेष्टा कर रही है।

ठीक इसी पल –
उफ! यह क्या?
नागराज!
नागराज!
नागराज लाल मौत के पंजों से बच निकला नहीं! ये नहीं हो सकता, कभी नहीं!
नागरस्सी पर चढ़ता हुआ नागराज यूसुफ तक जा पहुँचा –
यूसुफ बिन अली खान! तेरी लाल मौत नागराज का विष पचा नहीं पाई!
नहीं!

उस समय हेलीकॉप्टर उन्हें लेकर अथाह समुद्र पर मंडराने लगा था।
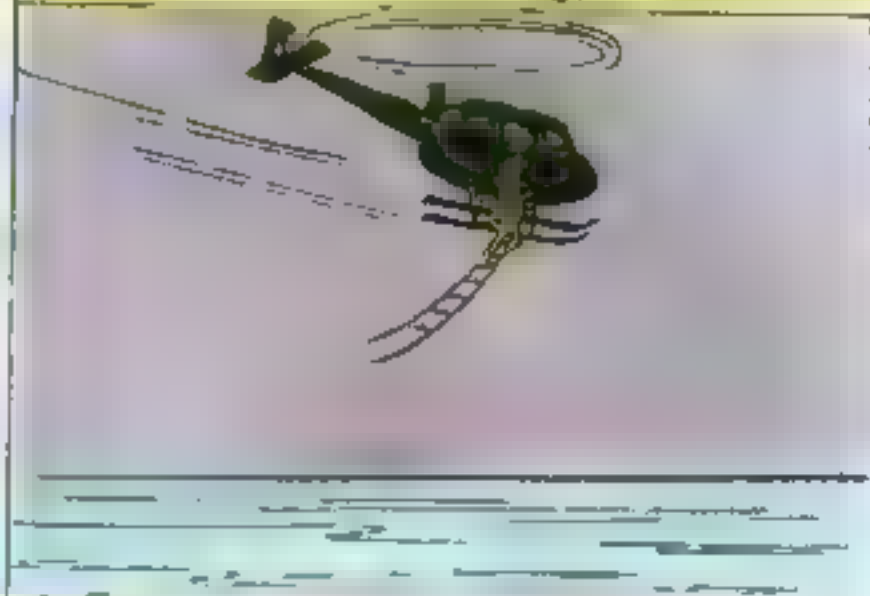
और अब यहां भागने का भी कोई रास्ता नहीं है। तुम्हें मारने में मुझे आसानी होगी।

नागराज के एक ही शक्तिशाली झटके के फलस्वरूप—
आऽऽऽऽ
छपाक
गुडुप
नागराज भी समुद्र में कूद गया—
छपाक
नागराज तैरकर रसूफ की तरफ बढ़ने लगा-
विश्व शांति के लिए तेरा अंत आवश्यक है शैतान!

ओह, यह क्या? तेल की बौछार!

हा हा हा! आकाशराजा! अब तुम तेल से सराबोर हो! सिर्फ एक गोली तुम्हें राख का ढेर बना देगी!

??
धूमुक के रिवॉल्वर ने शोला उगला—
हा हा हा! कल के समाचार-पत्रों में छपेगी आकाश राजा की मौत की खबर!
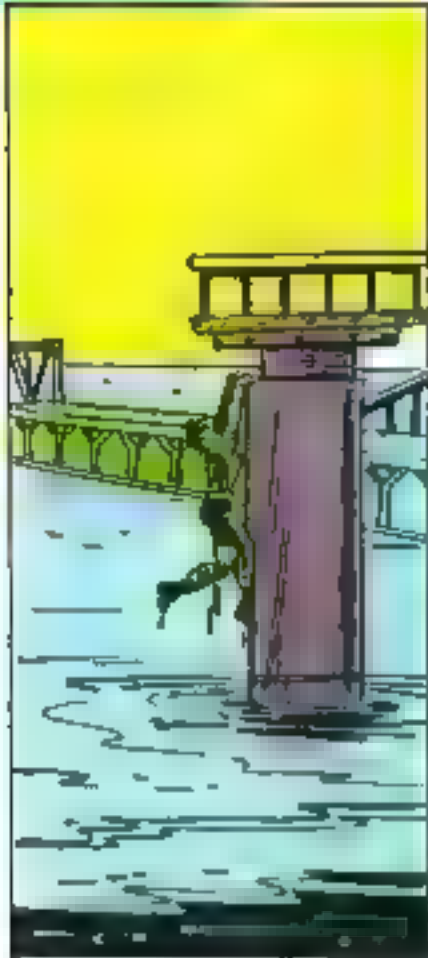
लेकिन नागराज वहां कहां था। वह तो यहां था, चलती लिफ्ट के नीचे लटका हुआ—
अरे! कहां गया!

नागराज!

यूसुफ ने रिवॉल्वर सीधा किया। लेकिन ठीक उसी पल—
धड़ाक

आह

यूसुफ अपने रिवॉल्वर पर झपटा। किन्तु—
धड़
नहीं
नागराज की शक्तिशाली ठोकर—

गिरते ही यूसुफ ने अपना अंतिम हथियार बाहर निकाल लिया और गरज पड़ा–

खबरदार! खबरदार! नागराज! मेरे हाथ में बम है!

हा हा हा हा! मैं जानता हूं नागराज कि अब तुम मुझे जीवित नहीं छोड़ोगे! लेकिन मेरे साथ-साथ इस तेल कुएं सहित तुम भी नहीं बचोगे! हा हा हा!

समुद्र में चारों तरफ आग फैल गई –

उधर यह सारा खूनी तमाशा देखा रूपा ने जिसने यूसुफ के समुद्र में गिरने के बाद हेलीकॉप्टर चालक को समुद्र किनारे हेलीकॉप्टर उतारने के लिए मजबूर कर दिया था –
उफ! नागराज! यह क्या हो गया!

शीघ्र ही रूपा प्रसन्नता से भरी चीख पड़ी –
नागराज! नागराज एक बार फिर मौत को धोखा देने में कामयाब हो गया!

ओह! नागराज! तुम अद्भुत मानव हो!

रूपा! जालिम यूसुफ अली खान अपनी ही लगाई आग में जल मरा!
ओह नागराज! आज मैं बेहद खुश हूं! बेहद खुश!

चलो रूपसा! नागराज का काम अभी खत्म नहीं हुआ! दुबई की जनता के सामने तुम्हें यहाँ की नयी सम्राज्ञी घोषित करना है!
नागराज! मुझे सत्ता का लालच नहीं है!

मैं जानता हूं! लेकिन अपने मुल्क की भलाई के लिए तुम्हें ये पद ग्रहण करना ही होगा!

और इस प्रकार रूपसा को दुबई का शासन सौंपकर नागराज ने उससे विदा ली —
कभी वक्त पड़ा तो रूपसा अपनी जान तुम पर न्यौछावर कर देगी नागराज!

और फिर अगले दिन भारत के एक होटल में -
दुबई की नई साम्राज्ञी रूपसा! नागराज द्वारा शैतान वाई.बी.ए.के. फोर्स और यूसुफ बिन अलीखान का खात्मा!
समाप्त

मुद्रक: [illegible] आर्ट प्रैस